बाबाघाट, धर्मशाला घाट का आखिर क्यों नहीं हो रहा जीणोद्धार

संगमर पत्थर से बना है बाबाघाट, पुरातन मंदिर को भी संजोने की जरूरत

मंडला, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में जनप्रतिनिधियों और सरकारी तंत्र की लापरवाही चरम सीमा पर पहुंच गई है नागरिक इस बात से नाराज होते जा रहे हैं कि आवश्यक होने की बावजूद भी उन सभी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है जिनकी वजह से लोग परेशान हो रहे। मां नर्मदा के तट पर बने सबसे प्राचीन बाबाघाट व मुन्नीबाई धर्मशाला घाट की मरम्मत, नवनिर्माण नहीं किया जा रहा है। जबकि बाबाघाट की अगर खुदाई हो जाये तो यहां बताया जाता है कि संगमर के पत्थर से घाट बना है जो बहुत ही सुंदर घाट है साथ ही यहां पुरातन मंदिर को संजोने की जरूरत है।

इन घाटों में कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है यह सभी को ज्ञात है कि मंडला नगर में यूं तो अधिकांश घाट क्षतिग्रस्त हो गए हैं लेकिन सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त मुन्नी बाई धर्मशाला का घाट हो गया है अंदर से यह घाट खोखला हो गया है यह घाट अत्यंत महत्वपूर्ण है यहां पर अनेक तरह के धार्मिक कार्यक्रम होते हैं पूजा अर्चना करने वाले भी यहां पर ज्यादा आते हैं इसके बावजूद भी इस घाट की मरम्मत करने या नवनिर्माण करने के लिए आखिरकार ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है यह शोध का विषय हो गया है। मुन्नीबाई धर्मशाला का घाट जर्जर हो चुका है शासन प्रशासन को लगभग सभी माध्यम से इस बात से अवगत कराया गया है जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराने के बाद किसी के द्वारा ध्यान नहीं देना अत्यंत शर्मनाक है जिला जनसुनवाई कार्यक्रम मजाक बनकर रह गया है यहां पर आवेदन पत्र तो दिए जाते हैं लेकिन निराकरण क्या किया जाता है आवेदन का पता ही नहीं चलता है।

चर्चा चल रही है की जनसुनवाई कार्यक्रम में सिर्फ गोलमाल किया जा रहा है आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं किया जा रहा है इसलिए अभी तक मंडला नगर की नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदन पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है इनके द्वारा मांग की गई थी कि मुन्नी बाई धर्मशाला घाट का मरम्मत नवनिर्माण कार्य कराया जाए लेकिन जिम्मेदारों ने सिर्फ बेहोशी का परिचय दिया है देखा यह जा रहा है कि सिर्फएक घाट पर शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधि केंद्रित हो गए हैं मंडला नगर में माहिष्मती घाट को सजाने संवारने का काम खूब किया जा रहा है यहां महा आरती भी हो रही है भारी भीड़ भी यहां पर उमड़ रही है लेकिन नर्मदा तट के बाकी घाटों पर शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान क्यों नहीं जा रहा है यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

लोग इस बात की निंदा कर रहे हैं कि सभी घाटों नजर अंदाज किया जा रहा है सिर्फएक घाट पर ध्यान दिया जा रहा है जबकि यह घाट पूर्व से ही बेहतर था और बेहतर बनाने की आवश्यकता है लेकिन फिलहाल उन घाटों पर ध्यान दिया जाना चाहिए था जो बुरी तरह जर्जर हो चुके हैं मंडला जिले में खासकर मंडला नगर में मां नर्मदा के विकास पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है मां नर्मदा प्रदूषित होती जा रही है 16 गंदे नालों का पानी अभी भी मां नर्मदा में समाहित हो रहा है लगातार मां नर्मदा में गंदगी जमा होती जा रही है नर्मदा भक्त भी गहरी नींद में सोने का परिचय दे रहे हैं लोग सवाल कर रहे हैं कि सभी क्यों नहीं जाग रहे हैं मां नर्मदा ने इस नगर को अपनी गोद में बसाया है तीन तरफसे मां नर्मदा में माहिष्मती नगरी को घेर रखा है लेकिन यहां पर मां नर्मदा की उपेक्षा हो रही है शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधि मां नर्मदा के विकास पर ध्यान नहीं दे रहे हैं मां नर्मदा के सभी घाटों किनारो को सजाने संवारने का काम नहीं किया जा रहा है।

लगातार मां नर्मदा प्रदूषण हो रही है और सभी जवाबदार मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं लोग जानना चाह रहे हैं कि आखिरकार बाबाघाट, मुन्नीबाई धर्मशाला घाट, नावघाट की मरम्मत अति आवश्यक हो जाने के बाद क्यों नहीं कराया जा रहा है इन घाटों में कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है कई बार लोग यहां पर चोटिल हुए हैं।

ऐसी जानकारी मिली है इस बात की जानकारी शासन प्रशासन को भी है फिर शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण घाट की मरम्मत करने व नव निर्माण करने के लिए कब आगे आएंगे लोग सवाल कर रहे।

आखिर क्यों नहीं रोक पा रहे वन्य प्राणियों की मौत....?

मंडला, देशबन्धु। आखिरकार मध्य प्रदेश के मंडला जिले में वन्यजीवों की मौत का सिलसिला नहीं थम रहा है कान्हा नेशनल पार्क में लगातार वन्य प्राणियों की मौत हो रही है पिछले दिनों फिर एक बाघिन की मौत की खबर मिली है हमेशा मौत का कारण आपसी संघर्ष या अन्य कारण बताया जाता है लोग सवाल कर रहे हैं कि जो भी कारण होते हैं उन सभी को अभी तक दूर क्यों नहीं किया गया।

वर्षों से यही कारण बनाया जा रहा है और अपने आप को बचाने की पूरी कोशिश जिम्मेदारों द्वारा की जा रही है नागरिकों ने जांच की मांग की है कि शुरुआत से लेकर अब तक जितने भी वन्य प्राणियों की मौत कान्हा नेशनल पार्क सहित अन्य वन क्षेत्र में हुई है उन सभी की उच्च स्तरीय जांच पड़ताल केंद्र व राज्य सरकार करावे और संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों सहित तमाम अमले के खिलाफकार्रवाई की जाए।

जिन्हें वन्य प्राणियों की सुरक्षा की जवाबदारी दी गई है उनके रहते हुए इस तरह के मौत होना चर्चा का विषय बना हुआ है आखिर इन्हें क्यों पदस्थ किया गया है और यदि पदस्थ किया गया है तो उनके खिलाफ ही मामला तय होना चाहिए उनके रहते हुए आखिरकार वन प्राणियों की मौत क्यों हो रही है हमेशा आपकी संघर्ष कहीं बीमारी तो कहीं करंट से लगने की मौत तो कहीं शिकार के कारण की मौत का कारण बताया जाता है यह सब कारण अभी तक दूर क्यों नहीं किए गए यह जांचका विषय हो गया है सभी संबंधितों के खिलाफ जांच की जाए और दोषियों को दंडित किया जाए ऐसी जन अपेक्षा है

सार-समाचार

कुख्यात एक प्रेम कहानी फिल्म की शूटिंग

मंडला, देशबन्धु। जिले में कुख्यात एक प्रेम कहानी फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। करीब एक करोड़ के बजट से तैयार होने वाली फिल्म के लिए स्टार कास्ट सलेक्ट कर लिए गए हैं। खास बात यह है कि फिल्म के निर्देशक व लेखक मंडला जिले के नीरज श्रीवास्तव हैं। जिन्होने पूर्व में छत्तीसगढ़ी मूवी में काम कर चुके हैं। गीत भी नीरज ने ही तैयार किया है। मंडला में बनने वाली मूवी में 50 प्रतिशत कलाकार मंडला के ही रहेंगे। इससे जिले के कलाकारों को अभिनय में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मुख्य कलाकार में अविनाश तिवारी हैं जो बघेली मूवी में कार्य कर चुके हैं। चार मूवी पहले बना चुके हैं जो कि सफल भी रही है। अब मप्र में काम कर रहे हैं। फिमेल एक्टर में कल्पना तिवारी रहेंगी जो साउथ की फिल्म पहले कर चुकी हैं। हाल ही में मंडला में ही सभी स्टार कास्ट का चयन किया गया था। कल्पना तिवारी का 150 एक्टर्स के बीच चयन हुआ है। दूसरा मुख्य किरदार बम्हनी के समीपी ग्राम के रहने वाले विकास सिंगौर पुलिस की भूमिका में नजर आएंगे। वर्तमान में विकास सिंगौर एसआई हैं जो सीधी में पदस्थ हैं। विकास का कहना है कि मुझे पुलिस का ही किरदार मिला है इसलिए कार्य करने में अच्छा लग रहा है।बताया गया कि फिल्म की शूटिंग मंडला शहर में होगी। मंडला शहरी क्षेत्र के साथ नर्मदा तट भी सिलेक्ट किए गए हैं। 10 मार्च से फिल्म शूटिंग की जाएगी। जिसे एक माह के अंदर ही पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि फिल्म रिलीज होने को डेट निर्धारित नहीं की गई है।

चारों तरफ फैली आम के बौर की सुंगध, किसानों को अच्छे पैदावार की उम्मीद

मंडला, देशबन्धु। आम की खेती से जुड़े किसानों के मुताबिक बीते साल ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभाव के चलते आम के पेड़ जनवरी में ही बौर से लद गए थे। इस साल जनवरी में तापमान सामान्य से कम दर्ज होने के कारण आम के पेड़ों पर बौर फरवरी में आना शुरू हुआ है। नतीजतन इन वृक्षों पर आम के रूप में फल मार्च के अंतिम माह से अप्रैल माह के बीच लगने शुरू होंगे। कुल मिलाकर देशी आम के बाजार तक अप्रैल से मई माह तक पहुंचने के आसार हैं। जिले में लगभग 400 हेक्टेयर में आम की खेती की जाती है। वर्तमान में आम में लगे बौर की सुंगध से आसपास क्षेत्र महंग उठा है। किसानों के अनुसार बीते दो सालों के मुकाबले इस वर्ष अच्छी पैदावार के आसार हैं। आम के वृक्षों पर बौर बीते दो वर्षों की तुलना में बेहतर दिखाई दे रहे हैं। लिहाजा आम का बगीजा की देखरेख करने वाले किसान मोहित कछवाहा का कहना है इस बार अच्छी पैदावार होने की उमीद है। पिछले सालों की अपेक्षा इस बार आम की पैदावार ज्यादा होने आम के भाव भी कम रहने रहेंगे। कृषि वैज्ञानिक आरपी अहिरवार के अनुसार कि आम में बौर आने का सही समय फरवरी ही है। समय पर बौर आने के कारण इस साल आम के पेड़ फलों से लदेंगे, जिससे जिले में आम की बंपर पैदावार होने की उमीद है। इसलिए आम की फसल से जुड़े किसानों के लिए ये अच्छी खबर है।

बीते साल मार्च में बिकने लगे थे कच्चे आम- पिछले साल दिसंबर-जनवरी का मौसम ग्लोबल वार्मिंग से अधिक प्रभावित रहा। दिसंबर में ठंड कम पडने के कारण दिसंबर के आखिरी सप्ताह में ही आम में बौर निकलने शुरू हो गए थे। समय से पहले आम बौराने के कारण मार्च के दूसरे सप्ताह में ही बाजार में देसी कच्चे आम की आवक शुरू हो गई थी। जबकि इस बार मार्च तक आम लगने शुरू हो पाएंगे। ऐसे में अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक बाजार में आम की आवक शुरू हो सकेगी।

रेलवे के कामों पर उठ रहे सवाल

मंडला, देशबन्धु। रेलवे के कामों की जांच शासन प्रशासन द्वारा क्यों नहीं की जाती है यह चर्चा का विषय बना हुआ है सिर्फरेलवे द्वारा ही कभी-कभार जांच की औपचारिकता पूरी की जाती होगी शासन प्रशासन के अलावा जनप्रतिनिधि समाजसेवी व मीडिया के लोग रेलवे के कामों में ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं यह आराम से अपना काम करते रहते हैं उनके कामों पर ज्यादा नजर लोगों की क्यों नहीं रहती है लोग सवाल कर रहे हैं उनके सभी कामों की जांच होना चाहिए इस समय मंडला सिवनी व अन्य जिलों में रेलवे प्लेटफार्म व अन्य क्षेत्रों में रेलवे के काम चल रहे हैं गुणवत्ता की कमी उनके कामों में दिखाई दे रही है उनके कामों की जांच जरूरी हो गई है शासन द्वारा उनके कामों की जांच कराई जाए और सच्चाई जनता के सामने लाई जाए

सागर से कटनी की ओर जा रहे तीन ट्रकों में कुआंखेड़ा घाटी के पास लूटपाट

कुम्हारी,देशबन्धु। 1 मार्च से गर्मी ने दस्तक देना शुरू किया ही है कि लूटपाट की घटनाएं भी सामने आने लगी है विगत वर्ष पहले दमोह रोड में कुम्हारी निवासी एक व्यक्ति जो की एयरटेल कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर काम करता था के साथ कुआंखेड़ा घाटी के पास से लैपटॉप ,मोबाइल एवं कुछ पैसे छीन कर साथ ही युवक के साथ मारपीट की गई वही सिलसिला अब फिर से शुरू होने लगा है जहां सागर से कटनी की ओर जा रहे तीन ट्रक जिसमें पहले ट्रक में फ्रूटी लोड थी में अज्ञात चोरों ने चलते ट्रक से तिरपाल फाड़कर लगभग 15,000 की फ्रूटी चलते ट्रक से लूट ली गई लूटपाट होते देख ट्रक चालक घबरा गया और रैपुरा के पास मां शारदा रेस्टोरेंट पर आकर उसने अपने ट्रक को रोका और देखा तो ट्रक से फ्रूटी की कई पेटी गायब थी वहीं उसने दरमियानी रात्रि ही डायल हंड्रेड को फोन लगाया सूचना के पश्चात कुछ देर बाद रैपुरा थाना से डायल हंड्रेड मौके पर पहुंची तब तक लूटपाट की घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात लुटेरे वहां से भाग निकले इस प्रकार अब लूटपाट की घटनाएं फिर से शुरू हो गई है।

समस्याओं को सुलझाने आखिर कब ध्यान देंगे जवाबदार..?

मंडला, देशबन्धु। आखिरकार मध्य प्रदेश के मंडला जिले में समस्याओं को सुलझाने के लिए किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है जनप्रतिनिधि भी सो रहे हैं और सरकारी तंत्र भी गहरी नींद में सोने का परिचय दे रहा है इन सब की बेहोशी की वजह से नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है सड़कों की हालत खस्ता हो गई है सरकारी भावन की हालत भी खस्ता हो गई है ढेर सारी सरकारी भवन होने के बाद भी कई कार्यालय किराए के मकान में चल रहे हैं ग्राम पंचायत के कार्यालय नियमित रूप से नहीं खुल रहे हैं मनरेगा के काम में गड़बड़ी हो रही है जल जीवन मिशन की दुर्गति हो गई है शिक्षा स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी नहीं है जनप्रतिनिधि विकास कार्यों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं सरकारी तंत्र भी उनकी उदासीनता का फायदा उठा रहा है जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन में गोलमाल हो रहा है समय सीमा की बैठक पर कितना पालन किया जा रहा है इसका फीडबैक नहीं लिया जा रहा है मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है पानी की समस्या को सुलझाने के लिए ध्यान नहीं दिया जा रहा है पर्यटन विकास पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कुछ किया नहीं जा रहा है सरकारी स्कूलों में काम करने वाले समूह को मध्यान भोजन की राशि समय पर प्रदान नहीं की जा रही है सांझा चूल्हा कार्यक्रम का भी पैसा व राशन समय पर नहीं दिया जा रहा है बताया जा

रहा है कि समूह को दोनों कार्यक्रम अंतर्गत कम पैसा व राशन दिया जा रहा है शिक्षा सत्र समाप्ति पर स्कूल की बच्चों को सरकारी सुविधाओं को प्रदान करने की कोशिश की जा रही है यह जांच का विषय हो गया है कि शिक्षा सत्र समाप्ति पर ड्रेस किताब इत्यादि की प्रक्रिया कैसे पूरी की जा रही है सरकारी स्कूल भवन की हालत खस्ता हो गई है सरकारी अस्पताल अनुपयोगी होते जा रहे हैं स्वास्थ्य केदो में मरीज का उपचार नहीं हो रहा है एएनएम और आशा कार्यकर्ता मनमानी कर रहे हैं एएनएम मुख्यालय में नहीं रह रहे हैं पटवारी मुख्यालय में नहीं रह रहे हैं राजस्वनिरीक्षक भी यही कर रहे हैं राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण तेजी के साथ नहीं किया जा रहा है किसान पंजीयन प्रधानमंत्री आवास योजना पंजीयन और प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का पंजीयन नहीं किया जा रहा है निर्माण कार्यों की जांच पड़ताल नहीं की जा रही है सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता को ताक में रखकर कराई जा रहे हैं प्राइवेट स्कूलों की जांच पड़ताल नहीं की जा रही है प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों का शोषण हो रहा है मानव अधिकार की संस्थाएं मोन बैठी हुई है आयुर्वेदिक अस्पतालों की जांच पड़ताल नहीं की जा रही है प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गड़बड़ी करने वालों को बचाया जा रहा।

मंडला जिले में कब शुरू होंगे व्यापक स्तर पर उद्योग

मंडला, देशबन्धु। आखिरकार उद्योगों का टोटा मध्य प्रदेश के मंडला जिले में खत्म नहीं हो पा रहा है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहे हैं लेकिन मंडला जिले में इनके प्रयास दिखाई नहीं दे रहे हैं यहां के जनप्रतिनिधि ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं देखा जा रहा है कि यहां पर उद्योग की कमी बनी हुई है जबकि जानकारों की माने तो यहां पर कई तरह के उद्योग शुरू हो सकते हैं उद्योगों के शुरू होने से विकास भी होगा और बेरोजगारी भी खत्म होगी मंडला जिले में बेरोजगारी की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है रोजगार के अवसर बढ़ नहीं रहे हैं जहां देखो वहां रोजगार की समस्या बनी हुई है लोगों का कहना है कि यदि उद्योग ज्यादा से ज्यादा जिले के सभी क्षेत्रों में शुरू किए जाएं तो विकास होगाऔर बेरोजगारी काफी हद तक नियंत्रित हो जाएगी जन अपेक्षा है सरकार इस विषय पर विशेष ध्यान दें ज्ञात हो मध्य प्रदेश के मंडला जिले में उद्योग तो चल रहे हैं लेकिन जबलपुर जिले की सीमा के पास मनेरी में ज्यादा चल रहे हैं यहां पर मंडला जिले के नागरिकों को कम जबलपुर जिले के नागरिकों को ज्यादा काम मिल पा रहा है लोगों का कहना है कि जिले के सभी क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाए ताकि जिले के नागरिकों को रोजगार मिल सके

मानव अधिकार आयोग पर उठ रहे सवाल

संज्ञान लेने के बाद सामने नहीं आ रहे परिणाम

मंडला, देशबन्धु। मानव अधिकार संरक्षण के लिए यूं तो कई तरह की संस्थाएं काम कर रही हैं खासकर मानव अधिकार आयोग मानव अधिकार संरक्षण के लिए काम कर रहा है लेकिन इन सब के बावजूद मानव अधिकार उल्लंघन की घटनाएं लगातार घट रही हैं इन सब के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर आखिरकार रोक क्यों नहीं लग पा रही है यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

देखा यह जा रहा है कि इस समय मानव अधिकार आयोग मानव अधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर संज्ञान तो ले रहा है लेकिन संज्ञान लेने के बाद उन पर क्या कार्यवाही हो रही है यह लोगों को पता नहीं चल पा रहा है लोगों का कहना है कि इस विषय पर सच्चाई जनता के सामने आना चाहिए कि आखिरकार संज्ञान लेने के बाद दंड का विधान क्या निश्चित किया गया है।

दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है और भविष्य में मानव अधिकार उल्लंघन की घटनाएं घटित न हो इस बात को लेकर शासन प्रशासन द्वारा क्या परिणामकारी कार्यवाही की जा रही है या की गई है यह जांच का विषय हो गया है मध्य प्रदेश के मंडला जिले में भी मानव अधिकार उल्लंघन की घटनाएं लगातार घट रही है मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा कुछ घटनाओं पर संज्ञान लिया जा रहा है पिछले दिनों दो घटनाओं पर संज्ञान लिया गया एक घटना जनपद पंचायत मवई की थी यहां पर पानी की समस्या को लेकर संज्ञान लिया गया था और दूसरी घटना जिला मुख्यालय मंडला की ही थी मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति उपचार के अभाव में दम तोड़ दिया।

इन दोनों घटनाओं पर मानव अधिकार आयोग द्वारा संज्ञान लिया गया लेकिन अभी तक क्या कार्यवाही की गई यह पता नहीं चल पा रहा है चर्चा तो यह चल रही है कि पूर्व में भी मानव अधिकार आयोग द्वारा कुछ घटनाओं पर संज्ञान लिया गया था लेकिन क्याकार्रवाई की गई लोगों को पता नहीं चल पा रहा है।

लोगों का कहना है कि मानव अधिकार आयोग एवं मानव अधिकार संरक्षण की सभी संस्थाएं मंडला जिले में मानव अधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए परिणामकारी प्रयास करें जिन मामलों में संज्ञान लिया गया है उन सभी मामलों में परिणाम कारी कार्यवाही की जाए दोषियों को दंडित किया जाए और भविष्य में मानव अधिकार संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए

पानी के लिए मची त्राहि त्राहि

मंडला, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में पानी के लिए त्राहि त्राहि होने वाली है हाहाकार मचाने वाला है पानी की समस्या से लोग अब गर्मी में परेशान होने वाले हैं यूं तो इस जिले में हमेशा पानी की समस्या से लोगों को परेशान होना पड़ता है सही तरीके से पेयजल संकट का निवारण इस जिले में नहीं किया जा रहा है।

इस संबंध में चर्चा चल रही है कि सभी जल स्रोतों को गर्मी का मौसम को दृष्टिगत रखते हुए संरक्षित व सुरक्षित नहीं किया जा रहा है पेयजल की समस्या को सुलझाने के लिए कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा है यही वजह है कि केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन इस जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है।

इस मिशन अंतर्गत सिर्फलापरवाही धांधली और मनमानी हो रही है और सभी जवाबदार हाथ पै हाथ रखे हुए बैठे हुए हैं शर्म की बात यह है कि इस जिले में इसी विभाग की मंत्री हैं इसके बावजूद भी पानी की समस्या नहीं सुलझा पा रही है लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिरकार मंत्री इस जिले में पानी की समस्या को सुलझाने के लिए सही प्रयास क्यों नहीं कर पा रही है।

मंत्री को लेकर लोगों में नाराजगी पनप रही है मुख्य सचिव भी यहां पर आए हुए थे वह भी कुछ खास नहीं कर पाए परिणाम स्वरूप आज भी इस जिले में जल जीवन मिशन की दुर्गति दूर नहीं हो पा रही है।

मिशन के अंतर्गत काम अधर में लटके हुए हैं मध्य प्रदेश के मंडला जिले की तहसील नैनपुर के ग्राम परसवाड़ा में जल जीवन मिशन अंतर्गत सही काम नहीं किया गया है उनके पूरे काम के जांच की जरूरत है पाइपलाइन सही तरीके से नहीं बिछाई गई है पानी की सप्लाई शुरू नहीं की जा रही है प्रत्येक घरों में कनेक्शन नहीं किया गया है।

ढेर सारे काम अधर में लटके हुए हैं और शासन प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है यह सब एक ग्राम का मामला है ऐसे अनेक ग्राम इस जिले में है जहां पर जल जीवन मिशन के काम सही तरीके से नहीं किया जा रहे हैं जिसकी वजह से लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जन अपेक्षा है सरकार पानी की समस्या इस जिले में सुलझा कर जल जीवन मिशन के सभी कार्यों की उच्च स्तरीय जांच पड़ताल कराई जाए और नल जल योजना के माध्यम से प्रत्येक ग्रामों व नगर में पानी की सप्लाई शुरू की जाए और दोषियों के खिलाफकार्यवाही की जाए।

मरम्मत कार्य में लापरवाही, राशि निकाली, पुताई से चला दिया काम

मंडला, देशबन्धु। शासकीय स्कूलों की मरम्मत के नाम पर लाखों रुपए की राशि निकाली गई लेकिन उसका शत प्रतिशत उपयोग नहीं किया गया। यहां तक की कार्य से स्कूलों के शिक्षक भी संतुष्ट नहीं है। जिन्होने स्कूल के खाते से राशि निकाल कर दी है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2023-24 में जिला पंचायत मंडला द्वारा जिला खनिज प्रतिष्ठान मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में जिला शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत संचालित प्राथमिक शालाओं में मरम्मत और सुधार कार्यों की राशि प्रदान की गई थी। जिसे सीधे शाला प्रबंधन समिति के हाथों में उक्त राशि प्रदाय की गई थी। जिसकी शिकायत पूर्व जनपद सदस्य रिखीराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री के नाम भी की है। जनपद सदस्य का कहना है कि संबंधित शाला में मरम्मत और सुधार कार्य शाला प्रबंधन समिति को करवाना था लेकिन शाला प्रबंधन समिति में जिला शिक्षा केन्द्र के प्रभारी के दबाव में उक्त कार्य ठेके में दे दिया और उक्त कार्य ठेकेदार के ने स्वीकृत राशि से 25 प्रतिशत राशि खर्च करके शेष राशि का गबन किया है। जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला हर्राटोला में जोकि विखं मवई के अंतर्गत आता है जहां पर शाला भवन की मरम्मत और सुधार कार्य के लिए इस योजना के अंतर्गत 83 हजार रुपए स्वीकृत हुए थे जिसमें 79 हजार 680 रुपए का कार्य पूर्ण बताकर राशि आहरित कर ली गई। इतनी राशि में स्कूल भवन की पुताई की गई और दरवाजे खिड़कियों एवं ग्रिल में ऑयलपेन्ट किया गया, चेनल गेट की मरम्मत की गई, वेल्डिंग की गई और शाला भवन की छत में दो बैग सीमेन्ट का मसाला लगाकर जहां वर्षाकाल में सीपेज होता था उस पर प्लास्टर किया गया। यहां के शिक्षक का कहना है कि उन्होने कोई कार्य नहीं कराया है।

खाते में आई राशि बाहर से पहुंचे ठेकेदार को दे दी है। इसके लिए ठेकेदार ने उच्च अधिकारियों से अनुमति होने की बात कही थी।

उन्होने कहा कि स्कूल में संतोष जनक कार्य नहीं हुआ है। अधिकारियों के दबाव के कारण राशि देनी पड़ी है। रिखी राम का कहना है कि इतने कार्य में बमुश्किल 20-25 हजार रुपए खर्च आया है ये अधिकतम मूल्याकंन है। इसी प्रकार प्राथमिक शाला भवन भिमौरी में भवन मरम्मत एवं सुधार कार्य के लिए इस योजना के अंतर्गत 1 लाख 33 हजार रुपए स्वीकृत किए गए थे। इस संस्था में भी शाला भवन की पुताई और दरवाजे खिड़कियों में ऑयल पेन्ट करके भवन के ऊपर जहां छत में सीपेज होता था उस पर 2 बैग सीमेंट का प्लास्टर करके राशि 1 लाख 27 हजार 680 रुपए आहरित कर लिए गए जबकि कार्य का मूल्याकंन जाए तो 20 से 25 हजार रुपए ही खर्च हुए होंगे। जबकि इस स्कूल का एक कक्ष जहां एक तरफ फर्श धंस गया है उसे ठीक नहीं किया गया है, शिक्षकों ने ठेकेदार से कहा भी कि उसका सुधार कार्य करवाईये पर ठेकेदार ने नहीं किया। इस कक्ष में बच्चे नहीं बैठते हैं वह कक्ष अनुपयोगी बना हुआ है।

इस प्रकार पैसे बचाने ठेकेदार ने उक्त कार्य नहीं करवाया। पूर्व जनपद सदस्य का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के किनारे बसे ग्राम-मनोरी में भी प्राथमिक शाला भवन की पुताई की गई इस कार्य के लिए इस योजना से 1 लाख 53 हजार रुपए स्वीकृत हुए थे और मात्र भवन में पुताई, दरवाजे खिड़कियों में ऑयलपेन्ट और छत में 2 बेग सीमेंट का प्लास्टर करके 1 लाख 46 हजार 880 रुपए इस कार्य के नाम से आहरित कर लिए गए जबकि कार्य में महज 25 से 30 हजार रुपए ही खर्च हुए हैं।

सैला-कर्मा महोत्सव के साथ आयोजित की गई प्रतियोगिता

आसपास की टीमों ने लिया हिस्सा

मंडला, देशबन्धु। ग्राम मानादेई में आदिवासी समाज के सैला कर्मा महोत्सव में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन 26 फरवरी को किया गया। आसपास गांव से पहुंची टीमो ने सैला व कर्मा नृत्य का प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा राजा कछार समिति ग्राम मड़ई के तत्वावधान में सैला कर्मा महोत्सव मनाया गया। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जनपद सदस्य हरेंद्र मसराम व सामाजिक के सहयोग से पारंपरिक आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व सामाजिक जन मौजूद रहे। विधायक व अतिथियों ने शानदार प्रस्तुति देने वाले दलों को पुरस्कृत भी किया।